File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
New Indian Express -21-June 2021

Mekedatu: Delta farmers condemn K'taka CM's remark

EXPRESS NEWS SERVICE @ Tiruchy/Nagapattinam/Bengaluru

FARMERS and farmer leaders across delta districts of Tamil Nadu condemned Karnataka Chief Minister's remark on Mekedatu dam and prayed that the Union government should not give clearance for the project. After the National Green Tribunal Principal Bench, New Delhi, directed the NGT Chennai bench to close its proceedings against Mekedatu dam project, on Thursday, Karanataka Chief Minister BS Yediyurappa said that the works would start soon after getting sanction from the Centre.

He said that the project, which aims to generate 4,000 MW of power, would supply drinking water to Bengaluru and the water would not be diverted for irrigation purposes.

Condemning it, farmers in Tiruchy petitioned the Prime Minister. In this, P Ayyakannu, presidents of President of Association for Interlinking National-South Indian Rivers, said building the dam would led to further reduce agriculture area to mere 1 lakh acre. Kaundampatti R Subramaniam, farmer and deputy secretary of Cauvery Delta Farmers Welfare Association, said, "If a new reservoir is built, even the excess water that they release during monsoon season will not provided to TN."

On Sunday, dozens of farmers protested near Nagapattinam against the Karnataka government's plans to set up the reservoir. They assembled at the regulator near Karunganni village in the district and demonstrated with black flags. "The construction of a new reservoir upstream of the river would affect the water entitlement of the farmers downstream. A tail-end district like Nagapattinam in Tamil Nadu would be affected severely," said S Srithar, a representative from Thamizhaga Kaviri Vivasaayigal Sangam.

Kumaraswamy smells 'conspiracy' to block project

Meanwhile, Former Karnataka Chief Minister and Janata Dal (Secular) chief HD Kumaraswamy on Sunday questioned why the Union government had not accorded permission for Mekedatu project across Cauvery river. He asked if it succumbed to the pressure from TN government against the project. Kumaraswamy said there was a nagging suspicion that they had conspired to block the project.

The Hans -21-June 2021

Rain or thundershowers forecast in City

HANS NEWS SERVICE
BEGUMPET

- **Warning of thunderstorms with lightning likely to lash ten districts on June 23; all districts next day**
- **Southwest Monsoon turns weak in State**
- **3 cm rain in Dharpalle (Nizamabad dist), 1 cm in Navkal (Sangareddy)**

GENERALLY cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers is forecast for Hyderabad on June 21, 23 and 24, the IMD said on Sunday, while light rain or drizzle is likely to occur on June 22.

According to the IMD bulletin, generally cloudy sky with possibility of rain or thundershowers is forecast on June 25 and 26.

The bulletin warned of thunderstorms, with lightning, very likely to occur on June 23 at isolated places in Jayashankar-Bhupalapally, Mulug, Bhadradri-Kothagudem, Khammam, Nalgonda, Suryapet, Mahbubabad, Warangal (Rural &Urban) and Jangaon districts. The next day thunderstorms with lightning are like in all districts of Telangana.

Meanwhile, the IMD said the Southwest Monsoon has turned weak in the State. Consequently, rain occurred at isolated places during the last 24 hours ending at 8.30 am on Sunday. The chief amounts of rainfall (in cm) were: Dharpalle (Nizamabad dist) 3, Jagtial , Dichpalle (Nizamabad), Kathlapur (Jagtial), Luxettipet (Mancherial), Naykal (Sangareddy) Velagatoor (Jagtial) 1 cm each.

गंगा क्वेस्ट 2021 में 11 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

नदियों पर मनुष्य के एकाधिकार की सोच को नकारने की आवश्यकता: शेखावत

नई दिल्ली @ ब्यूरो. केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि नदियों पर उन सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, जो इंसान की ही तरह जल पर निर्भर हैं। जल केवल मानव के लिए ही नहीं, उस पर आश्रित सभी प्राणियों के लिए जीवन है, यह तथ्य सभी जानते हैं, लेकिन आवश्यकता इस पर अमल करने की है। शेखावत ने रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा क्विस्ट 2021 के विजेताओं के अभिनंदन समारोह को वर्चुअल संबोधित किया। कहा कि नमामि गंगे परियोजना के आयोजन से न केवल मां गंगा, अपितु सभी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को लेकर जागरुकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। नदियों पर मनुष्य के एकाधिकार की सोच को बदलना होगा। शेखावत ने कहा कि नदियां हमें सहअस्तित्व सिखाती हैं। नदियों पर उन सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, जो हमारी तरह जल पर निर्भर हैं, अर्थात जल केवल मानव के लिए नहीं उस पर आश्रित सभी प्राणियों के लिए जीवन है। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे परियोजना जल से जुड़ा जनआंदोलन है। इसमें जन-जन की भागीदारी आवश्यक है। नदियों के उत्थान में नागरिक अपनी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करें।

11 लाख से ज्यादा हुए रजिस्ट्रेशन: गंगा क्वेस्ट 2021 में देश के सभी राज्यों के साथ-साथ दुनिया के 130 देशों से कुल 11,00,391 रजिस्ट्रेशन हुए थे। भारत से इस बार झारखंड से सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना वृद्धि हुई है। यूएई से सबसे ज्यादा 972 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी शामिल हुए हैं। ओमान, यूनाइटेड किंगडम, अल्जीरिया, बहरीन और कुवैत अन्य देश हैं, जिन्होंने सबसे अधिक भागीदारी के साथ शीर्ष 6 देशों में जगह बनाई है।

Rajasthan Patrika-21-June 2021

बिजनौर के दर्जनभर गांव बाढ़ की चपेट में तो मुजफ्फरनगर में खतरे के निशान पर गंगा

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

मेरठ में तटबंध टूटने से बाढ़ का खतरा बढ़ा

हरिद्वार से 3 लाख 75 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद गंगा दिखा रही रोद्र रूप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिजनौर/मुजफ्फरनगर/मेरठ. पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हो रही लगातार बारिश के बाद शनिवार को हरिद्वार से 3 लाख 75 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद से गंगा उफान पर है। मेरठ के हस्तिनापुर में गंगा जलस्तर बढ़ने से बांध का तटबंध टूट गया है, जिससे गंगा के तटीय गांवों में खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने आसपास के गांव वालों को अलर्ट करते हुए सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की हिदायत दी है। वहीं, मुजफ्फरनगर के उत्तराखंड से लगे पुरकाजी, भोपा, ककरोली, मीरापुर और रामराज थाना क्षेत्रों के कई दर्जन गांव में पानी आने की संभावना के चलते हड़कंप मच गया है। मुजफ्फरनगर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच चुका है।

बाढ़ में फंसे 38 मजदूरों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

वहीं, बिजनौर में गंगा के बढ़ते जलस्तर ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। जिले के दर्जनभर गांव बाढ़ की चपेट में हैं। ग्रामीणों को बाढ़ से बचाने के लिए यहां एसडीआरएफ और पीएसी के जवानों के साथ पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। बताया जा रहा है कि रावली इलाके में जंगल के डेरे में सैकड़ों पशु और मजदूर फंसे हुए हैं, जिन्हें ड्रोन की मदद से तलाशा जा रहा है। एसडीआरएफ और पीएसी के जवानों के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत 38 मजदूरों को डेरे से निकालते हुए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। बताया जा रहा है कि अभी भी कुछ मजदूर फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया जारी है। एसपी डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि बिजनौर में पुलिस प्रशासन गंगा किनारे डटा हुआ है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने एसडीआरएफ व पीएसी की टीम को बुला लिया है। पीएसी के जवान मोटर बोट के जरिये रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हैं। 38 मजदूरों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ड्रोन कैमरे की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। अभी भी सैकड़ों पशु गंगा के बीच में फसे हैं, जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कवायद की जा रही है।

जबकि बिजनौर में गंगा के बढ़ते जलस्तर ने कहर बरपाया शुरू कर दिया है। बिजनौर के दर्जनभर गांव बाढ़ की चपेट में हैं। यहां एसडीआरएफ और पीएसी के जवानों मोर्चा संभाल लिया है। रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत यहां अब तक जंगल के डेरे में बाढ़ के चलते फंसे 38 मजदूरों को सुरक्षित निकाला गया है। बताया जा रहा है कि ड्रोन की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

डीएम ने किया हस्तिनापुर और परीक्षितगढ़ क्षेत्र का दौरा

मेरठ जिलाधिकारी के बालाजी ने बाढ़ के मद्देनजर तैयारियों को लेकर हस्तिनापुर और परीक्षितगढ़ क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ राहत कार्यों का जायजा लिया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह रात्रि में सघन निगरानी रखें और दिन में ही बाढ़ राहत के संबंधित कार्य पूरे कर लिए जाएं, ताकि आमजन को कोई परेशानी ना हो। जिलाधिकारी ने हस्तिनापुर के फतेहपुर प्रेम व परीक्षितगढ़ ब्लाक के ग्राम कुंडा का भी निरीक्षण किया। अधिशासी अभियंता सिंचाई पीके जैन ने बताया कि सिंचाई विभाग ने अन्य विभागों के समन्वय के साथ बाढ़ राहत के संबंध में तैयारियां की हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष हस्तिनापुर ब्लॉक के ग्राम फतेहपुर प्रेम में कटाव निरोधक कार्य कराए गए हैं।

कई दर्जन गांव में पानी आने की संभावना

उत्तराखंड में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा का जलस्तर बढ़ गया है, जिसके चलते मुजफ्फरनगर में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उत्तराखंड से सटे जिले के पांच थाना क्षेत्रों के कई दर्जन गांव में पानी आने की संभावना के चलते हड़कंप की स्थिति है। यहां गंगा का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच चुका है। इसी के चलते प्रशासनिक अधिकारियों ने जिले में अलर्ट जारी कर दिया है। जिला प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने तहसील स्टाफ की टीम के साथ गंगा के खादर क्षेत्रों दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर खतरे के निशान यानी 220 मीटर पर पहुंच चुका है। इससे बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। क्षेत्र के लोगों को अलर्ट करते हुए सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भीषण बारिश के बाद सबसे पहले गंगा का पानी मुजफ्फरनगर के पांच थाना क्षेत्रों के दो दर्जन से भी ज्यादा गांव से होकर गुजरता है। इस कारण कई बार लोगों को बाढ़ की स्थिति भी झेलनी पड़ी है।

इसी के चलते पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिन जिलों से गंगा होकर गुजरती है, उन जिले को अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए और व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा था। पिछले दिनों से ही जिला प्रशासन बाढ़ नियंत्रण के प्रबंधों में जुटा हुआ है।

Rajasthan Patrika-21-June 2021

मानसून: उत्तरी राज्यों में मानसून की गति धीमी, दिल्ली को करना पड़ रहा है इंतजार

पहाड़ों से लेकर मैदानों तक जमकर बरसा पानी, नदियों के उफान से बढ़ रही मुसीबत

उत्तराखंड, यूपी व बिहार में झमाझम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश के अधिकांश हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुंच चुका है। पहाड़ों से लेकर मैदानों तक बारिश हो रही है। इस बीच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, यूपी और बिहार समेत कुछ राज्यों में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश से गंगा के बाद भागीरथी नदी भी देवप्रयाग में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नदी के किनारे बसे गांवों के लोगों को जिला प्रशासन के आश्रय गृहों में और अन्य सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और गोवा के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा होने का अनुमान जताया है। मानसून पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय हो गया है, लेकिन इसके दिल्ली तक बढ़ने की गति धीमी है। मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं भारी तो कहीं बहुत भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। उत्तर और दक्षिण गुजरात तथा सौराष्ट्र-कच्छ में भी भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है।

सड़कें लबालब, वाहन फंसे

ओडिशा के भुवनेश्वर में रविवार को भारी बारिश के दौरान एक सड़क पर जलभराव के बीच से वाहन निकालने की मशक्कत करते लोग।

...यहां मानसून के लिए हवाएं अनुकूल नहीं

मानसून के दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ व पंजाब के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने की गति धीमी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार हवा का पैटर्न इन क्षेत्रों में निरंतर वर्षा के लिए किसी अनुकूल स्थिति का संकेत नहीं दे रहा है।

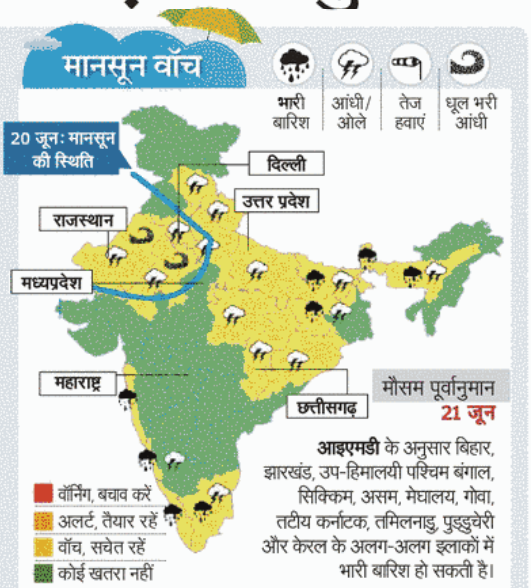

गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर

गंगा हरिद्वार और ऋषिकेश में खतरे के निशान को पार कर गई। हरिद्वार में गंगा 294.1 मीटर पर बह रही है। अलकनंदा नदी का जल स्तर बढ़ने से यह किनारों से ऊपर बह रही है।

यूपी के 16 जिलों में बाढ़ जैसे हालात

बिहार में गंडक नदी के किनारे वाले इलाकों में रविवार को सुबह से ही बारिश होती रही। उत्तराखंड में शारदा बैराज के आसपास के इलाकों में भारी बारिश के कारण जल स्तर काफी बढ़ने से रेड अलर्ट जारी कर दिया गया। इसका बढ़ता जल स्तर उत्तराखंड के दो जिलों और यूपी के 10 जिलों को प्रभावित कर सकता है। यूपी में बारिश के कारण 16 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं।

कर्नाटक के कृष्णा व कावेरी क्षेत्र में बाढ़

कर्नाटक में मानसून सक्रिय होने से कृष्णा बेसिन जिलों में ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। मालंद क्षेत्रों और कावेरी बेसिन में भारी बारिश होने से बाढ़ जैसी स्थिति आ गई है।

Dainik Bhaskar-21-June 2021

नेपाल-बिहार में बारिश • पिछले 72 घंटे से नदियों का बढ़ना जारी

बक्सर से भागलपुर तक गंगा में उफान, कोसी भी लाल निशान पार

भास्कर न्यूज | पटना

नेपाल और बिहार में लगातार हो रही बारिश के कारण उत्तर बिहार की नदियों के जलस्तर का बढ़ना जारी है। सभी प्रमुख नदियों के जलस्तर में बीते 24 घंटे में बढ़ोतरी हुई है। जहां गंडक और कोसी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है वहीं सोन, कमला बलान, बूढ़ी गंडक, महानंदा, परमान, घाघरा, पुनपुन, परमान नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। गंडक नदी गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और वैशाली में लाल निशान के पार है। गोपालगंज के डुमरियाघाट पर यह खतरे के निशान से 129 सेंमी और मुजफ्फरपुर के रेवाघाट पर 40 सेंमी ऊपर है। इसी तरह कोसी वीरपुर में 43 सेंमी और सहरसा में 9 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। इन सारी नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। अगले 72 घंटे में इनके जलस्तर में और बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की गयी है। कोसी सुपौल, सहरसा, कटिहार, भागलपुर, खगड़िया में बढ़ रही है जबकि महानंदा पूर्णिया और कटिहार में बढ़ रही है। बूढ़ी गंडक पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और खगड़िया में जबकि गंडक पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, वैशाली में बढ़ रही है।

एनएच व तटबंध पर रह रहे हैं लोग

मोतिहारी| जिले के गंडक व सिकरहना में आई बाढ़ के कारण गंडक के किनारे के लोग चंपारण तटबंध तथा सिकरहना के किनारे के लोग मोतिहारी रक्सौल एनएच समेत तटबंध पर शरण लिए हुए है। बाढ़ का पानी सुगौली पीएचसी समेत अन्य जगहों पर फैल गया है।

बक्सर से भागलपुर तक तेजी से बढ़ रही गंगा

सबसे खतरनाक ढंग से गंगा बढ़ रही है। पूरे सूबे में इसका जलस्तर लगातार ऊपर भाग रहा है। बक्सर, पटना, मुंगेर, भागलपुर में इसके जलस्तर में जबरदस्त वृद्धि हुई है। पटना में इसका जलस्तर महज 24 घंटे में 2.67 मीटर बढ़ गया। दीघाघाट पर इसका जलस्तर अब खतरे के निशान से मात्र 86 सेंटीमीटर नीचे रह गया है। गांधीघाट पर इसका जलस्तर 58 सेंटीमीटर बढ़ा और यहां नदी खतरे के निशान से मात्र 1.45 मीटर नीचे है। हाथीदह में इसका जलस्तर 1.12 मीटर बढ़ा जबकि मुंगेर में 1.16 मीटर और भागलपुर में 1.10 मीटर बढ़ गया।

वज्रपात की चेतावनी

बिहार के सभी हिस्सों में रुक-रुक के होगी 15 से 22 एमएम तक बारिश

पटना |मौसम विभाग के मुताबिक पटना, गया, नालंदा, मुजफ्फरपुर सहित बिहार के 27 जिलों में सोमवार को 15 से 22 एमएम तक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेगी। इसके साथ ही बिहार के उत्तर-पश्चिम स्थित पूर्वी-पश्चिम चंपारण, सारण, गोपालगंज, सीवान और उत्तर-पूर्व स्थित किशनगंज, मधेपुरा सहित 11 जिलों में 25 एमएम से अधिक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के सभी हिस्सों में वज्रपात होने के आसार है। मौसम विभाग ने बारिश के दौरान लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की चेतावनी दी है। पटना में रविवार को पूरे दिन आसमान पर बादल छाए रहे। रुक-रुक करके 45 एमएम बारिश हुई।

पहाड़ से लेकर मैदान तक नदियां उफनाईं

बाढ़ का कहर

बिहार, यूपी और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। इससे पहाड़ से लेकर मैदान तक की नदियां उफना गई हैं। कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। पहाड़ों पर बारिश के बाद भूस्खलन से कई गांवों का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। कई जगह नदियों का पानी घरों में घुसने पर लोग बांध पर मवेशियों के साथ शरण लेने को मजबूर हैं। पेश है **हिन्दुस्तान ब्यूरो** की रिपोर्ट:

140 सड़कें बंद हैं उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से

16 हजार से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित है बिहार में

मुरादाबाद में रविवार को लगातार हो रही बारिश के बीच उफनाती नदी से बैलगाड़ी निकालने की कोशिश करता किसान। • प्रेट

उत्तराखंड

हल्द्वानी : नैनीताल में भूस्खलन का खतरा बढ़ा

उत्तराखंड में रुक-रुक कर हो रही बारिश ने तबाही मचा रखी है। कुमाऊं में बारिश-बाढ़ से करीब 140 सड़कें बंद हैं। 100 से अधिक गांवों का जिला-तहसील मुख्यालयों से संपर्क कटने से करीब 30 हजार की आबादी प्रभावित है। सबसे अधिक नुकसान सीमांत पिथौरागढ़ में हुआ है। नैनीताल में भूस्खलन के कारण खतरा बढ़ने पर आधा दर्जन घर खाली करवाने पड़े।

पिथौरागढ़ में एनएच, भारत और चीन-नेपाल सीमा को जोड़ने वाली छह सड़कों समेत 48 मार्ग बंद होने से जनजीवन बेपटरी हो चुका है।

मुनस्यारी : सभी रास्ते बंद, सेना की सप्लाई रुकी

सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चीन सीमा को जोड़ने वाली मुनस्यारी-मिलम सड़क व पैदल रास्ता कई जगह मलबा आने और पुल टूटने से बंद हो गया है, जिससे सीमा पर स्थित सेना की चौकियों, बीआरओ व माइग्रेशन वाले गांवों की सप्लाई रुक गई है। वहीं, हिमालय की तलहटी में बसे चीन सीमा पर स्थित सीमांत के अंतिम गांव के ग्रामीणों की भारी बारिश से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। बागेश्वर से नामिक को जोड़ने वाले दोनों पैदल मार्ग रामगंगा नदी में बह गए हैं, जिससे इस गांव का शेष दुनिया से संपर्क कट गया है।

उत्तर प्रदेश

बिजनौर : खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा

पहाड़ और मैदानी इलाको में लगातार हो रही बारिश से गंगा में उफान बरकरार है। दूसरे दिन भी जिले के खादर इलाकों में बाढ़ का प्रकोप बना रहा। वहीं गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पुलिस-प्रशासन ने रविवार को भी रेस्क्यू अभियान चलाकर 11 लोगों को पानी से बाहर निकाला। वहीं, शामली में गंगा दशहरे पर यमुना में स्नान को आये हरियाणा के पानीपत और करनाल जिले के दो युवक डूब गए। पहला हादसा सुबह के समय कैराना में यमुना नदी के तट पर हुआ, जबकि दूसरा हादसा झिझाना क्षेत्र में दोपहर बाद हुआ।

बरेली : पीलीभीत में फंसे नौ लोगों को बचाया गया

बरेली। बारिश से गंगा, रामगंगा, बहगुल और शारदा का जलस्तर उफान पर है। बीते 18 घंटे में बनबसा बैराज से शारदा में छोड़े गए 2.50 लाख क्यूसेक पानी की वजह से ट्रांस शारदा क्षेत्र हजारा समेत पूरनपुर और रामनगरा के कई गांवों में बाढ़ के हालात हैं। बाढ़ का पानी भरने से लोग घरों में कैद हो गए हैं। पीलीभीत के थाना माधोटांडा के धुरिया पलिया में जानवर चराने गए नौ लोग पानी में फंस गए। जानकारी मिलने पर एसएसबी की फ्लड यूनिट ने दो घंटे की मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित निकाल लिया।

बिहार

गंडक समेत कई नदियां लाल निशान के पार

पटना। राज्य में पिछले 24 घंटे में हुई भारी वर्षा के कारण सभी नदियों ने अपना रंग बदलना शुरू कर दिया है। पहले से लाल निशान के पार चल रही गंडक का डिस्चार्ज घटने के बावजूद जलस्तर बहुत नीचे नहीं आया। लिहाजा चम्पारण के इलाके में बाढ़ की विभीषिका बढ़ गई है। उधर नदियों का जलस्तर कोसी, सीमांचल और पूर्वी बिहार में तो बढ़ ही रहा है, पटना में भी गंगा लाल निशान को छूने वाली है। राज्य में पिछले 24 घंटे में मुंगेर, लालगंज और कुरसेला में सौ मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई है। इसके अलावा 15 स्थानों पर 50 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई है। हाजीपुर में लगभग 90 मिलीमीटर, दरभंगा के कमतौल में 85 मिलीमीटर, गया के डोभी में 75 मिलीमीटर और भगलपुर में 74 मिली मीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। लिहाजा छोटी और स्थानीय नदियां उफनाने लगी हैं। गोपालगंज में बारिश व गंडक की बाढ़ से पिछले पांच दिनों से चार हजार घरों में पानी घुसा हुआ है।

गंगा पटना के दीघा घाट में दो मीटर 67 सेमी ऊपर चढ़ी है। यहां अब यह नदी लाल निशान से मात्र 86 सेमी नीचे रह गई है। गांधी घाट में 58 सेमी ऊपर चढकर लाल निशान से लगभग डेढ़ मीटर नीचे है।

Amar Ujala-21-June 2021

उत्तराखंड में पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में भारी बारिश से गंगा के बाद सहायक नदियां भी उफान पर

बाणगंगा ने तोड़ा तटबंध, बाढ़ में 57 लोग फंसे

देहरादून/हल्द्वानी। उत्तराखंड में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश रविवार को थम गई, लेकिन पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में हो रही झमाझम बारिश से गंगा के बाद सहायक नदियां भी उफान पर आ गई हैं। रविवार को बाणगंगा के तेज बहाव ने जहां शेरपुर बेला के पास तटबंध को ध्वस्त कर दिया तो वहीं खेती करने गए 57 किसान बाढ़ में फंस गए। चार घंटों की मशक्कत के बाद रविवार दोपहर एक बजे एसडीआरएफ की टीम ने सभी को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला।

प्रदेश में अधिकतर सड़कें तीसरे दिन भी नहीं खुल पाईं। विभिन्न जनपदों में अभी भी सात राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हैं, जबकि कुछ को आंशिक रूप से खोला गया है। रुड़की में रविवार सुबह नौ बजे गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा (293 मीटर) को पार कर 293.30 मीटर पहुंच गया। गंगा ने सहायक नदी बाणगंगा को भी उफान पर ला दिया। बागेश्वर में सरयू, रामनगर में कोसी, हल्द्वानी में गौला व बनबसा में शारदा उफान पर हैं। शारदा बैराज पर रेड अलर्ट रहा।

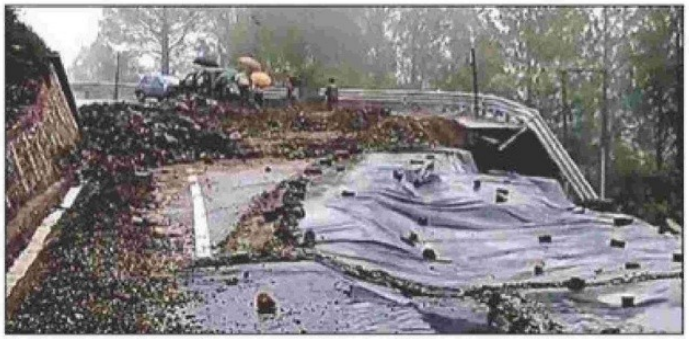

भारी बारिश में टूटा नवनिर्मित ऋषिकेश-गंगोत्री हाई-वे।

वहीं, ऋषिकेश में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के सिंगटाली और कौडियाला के पास दो जगहों पर अवरुद्ध होने से रविवार सुबह से वाहनों को डायवर्ट कर दिया गया, दोपहर बाद खुला। पिथौरागढ़ जिले का देश-दुनिया से संपर्क कट गया है सड़कें बंद होने से कई स्थानों पर लोग फंसे हैं। ब्यूरो/संवाद